Gyanshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.gisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2025 GISRRJ | Volume 8 | Issue 2 | ISSN : 2582-0095

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का शैक्षिक समायोजन के साथ सहसंबंध का एक अध्ययन

Priyanka Devi
Research Scholar, Department of Education
Prof. Tirmal Singh
Avadh Girl's Degree College Lucknow, India

Article Info
Volume 8, Issue 2

Page Number : 22-35

Publication Issue :
March-April-2025

Article History
Accepted : 01 March 2025
Published : 05 March 2025

सारांश: भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अवधारणा से पहले, बुद्धि लब्धि या IQ मौजूद थी। मूल रूप से यह माना जाता था कि जो व्यक्ति अधिक बौद्धिक होता है या जिसका IQ अधिक होता है, वह अपने आस-पास के वातावरण में आसानी से खुद को समायोजित कर सकता है। हालाँकि, हाल ही में यह बात सामने आई है कि जो बच्चे अधिक चतुर होते हैं, वे अपने शैक्षणिक प्रदर्शन और अपने माता-पिता की अपेक्षाओं के परिणामस्वरूप कुछ हद तक तनाव का अनुभव करते हैं। परिणामस्वरूप, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि बुद्धि लब्धि (IQ) किसी व्यक्ति की जीवन में सफलता या असफलता का पूरी तरह से हिसाब नहीं रखती है। वास्तव में, बुद्धि पर शोध करने वाले अधिकांश सामाजिक वैज्ञानिकों का मानना है कि बुद्धि का परिणाम में केवल 20 से 30 प्रतिशत योगदान होता है। भले ही, जैसा कि समर्थक दावा करते हैं, IQ वित्तीय सफलता जैसी चीज़ों का सबसे अच्छा ज्ञात भविष्यवक्ता है, ये वे आंकड़े नहीं हैं जिन पर आप दांव लगाना चाहेंगे। सामान्य भावनाओं वाले किसी व्यक्ति के साथ बातचीत करना आसान है, लेकिन भावनात्मक रूप से अस्थिर व्यक्ति से निपटना कठिन है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक ऐसा शब्द है जो भावनात्मक और संज्ञानात्मक बुद्धिमत्ता दोनों को समाहित करता है। दिल भावनाओं से शासित होता है, जबकि मस्तिष्क बुद्धिमत्ता से शासित होता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सामाजिक बुद्धिमत्ता और संयोग, सभी एक व्यक्ति के प्रदर्शन और समायोजन में भूमिका निभाते हैं, और IQ अब सफलता का प्राथमिक मापदंड नहीं रह गया है। आज, शैक्षिक समायोजन जैसे कई व्यवहार संबंधी मुद्दे किशोर समूहों के बीच प्रमुख चिंता का विषय हैं, जिन्हें हम दैनिक आधार पर देखते हैं।

मुख्य शब्दावली: शैक्षिक समायोजन, भावनात्मक बुध्दिमत्ता सहसंबंध आदि।

Copyright © 2025 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)**

परिचय:

शैक्षिक समायोजन वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एक व्यक्ति कई तरह के दृष्टिकोण और रणनीतियों का उपयोग करके जीवन की समस्याओं पर काबू पाने और उनसे आगे निकलने की कोशिश करता है। यह एक प्रकार का व्यवहार है जिसमें एक व्यक्ति अपनी कई इच्छाओं और पर्यावरणीय बाधाओं के बीच संतुलन बनाए रखता है।

"समायोजन" को "किसी व्यक्ति और उसके नामांकन के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंध के रूप में परिभाषित किया जाता है जो उसे तनाव, संघर्ष और असंतोष से मुक्त एक सुखद जीवन जीने की अनुमति देता है।" 1990, राव जी के शोध में, समायोजन शब्द का अर्थ आम तौर पर किसी व्यक्ति की आंतरिक तनाव, आवश्यकता संघर्ष और असंतोष से निपटने की क्षमता के साथ-साथ अपनी आंतरिक आवश्यकताओं और बाहरी वातावरण द्वारा लगाए गए लोगों के बीच समन्वय लाने में सक्षम होना है। एक सुसमायोजित व्यक्ति वह होता है जो असहमति, भावनाओं आदि जैसी अंतःक्रियाओं से अप्रभावित रहता है और जिसका व्यक्तित्व विकास एक अच्छे समाजीकरण पथ का अनुसरण करता है। जब किसी व्यक्ति को उसके सांस्कृतिक समूह द्वारा स्वीकार किया जाता है, यानी यदि वह अपने समूह की परंपराओं, रीति-रिवाजों, विचारों आदि के अनुरूप होता है, तो उसे सुसमायोजित माना जाता है। यदि वह समूह के रीति-रिवाजों, रीति-रिवाजों, परंपराओं आदि का पालन नहीं करता है, तो उसे कुसमायोजित करार दिया जाता है।

मनोविज्ञान में समायोजन को दो दृष्टिकोणों से देखा गया है: एक सफलता के रूप में और दूसरा एक प्रक्रिया के रूप में। पहला दृष्टिकोण व्यक्ति की गुणवत्ता या दक्षता को विभिन्न स्थितियों में अपने दायित्वों को पूरा करने की उसकी क्षमता के संदर्भ में उजागर करता है, जबकि दूसरा दृष्टिकोण उस प्रक्रिया पर जोर देता है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने बाहरी वातावरण के साथ समायोजन करता है।

"समायोजन" शब्द का तात्पर्य किसी व्यक्ति और उसके परिवेश के बीच स्वस्थ अंतःक्रिया से है।

पियाजे ने "समायोजन" और "आत्मसात" शब्दों का प्रयोग यह बताने के लिए किया कि कोई व्यक्ति स्वयं को कैसे समायोजित करता है या अपने आस-पास के माहौल के साथ सामंजस्य बिठाना। किसी व्यक्ति का समायोजन उसके आस-पास के माहौल के साथ सामंजस्यपूर्ण बातचीत होगी। ऐसा वातावरण जो उसे सुखद जीवन प्रदान करता है। एक छात्र का समायोजन किससे जुड़ा हुआ है। अपनी मांगों और पूर्ति के बीच संतुलन हासिल करना। छात्रों के पास शैक्षणिक, बौद्धिक, भावनात्मक, के बीच एक अच्छा संतुलन होता है सामाजिक, और अन्य मांगें और उनके जीवन के सभी हिस्सों में संतुष्टि। जब किसी व्यक्ति का सामना होता है, कुछ बाधाओं का सामना करने के लिए, उसे उन पर विजय पाने के लिए

कड़ी मेहनत करनी होगी। व्यक्ति के अनुभव समायोजन प्रक्रिया को प्रभावित और संशोधित करते हैं। व्यक्ति की इच्छाएँ और उसके आस-पास की बाहरी ताकतें हमेशा संघर्ष में रहती हैं। यह आंतरिक माँगों, रुखों और तनावों को कम करने की प्रक्रिया है। व्यक्तिगत आवश्यकताएँ व्यक्ति से व्यक्ति और समय के साथ बदलती रहती हैं।

परिणामस्वरूप, वह अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए अपने स्थानीय परिवेश को अनुकूलित करता है। इससे भावनात्मक नियंत्रण की हानि होती है, जिसके परिणामस्वरूप भावनात्मक अस्थिरता होती है। पर्यावरण की मांगों को पूरा करने के लिए पर्याप्त भावनात्मक समायोजन और सीखने की इच्छा जीवन की सफलता के लिए आवश्यक है। आवश्यक व्यक्तित्व विकसित करने और वांछित लक्ष्य प्राप्त करने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण है। उम्र के हिसाब से भावनात्मक परिपक्वता का उचित स्तर। यह व्यक्ति को अपनी भावनाओं और संवेदनाओं को उचित समय पर व्यक्त करने की अनुमति देता है, साथ ही अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझने की भी अनुमति देता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाला व्यक्ति मुस्कुराना जानता है और दूसरों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनना जानता ह ै।

अध्ययन की आवश्यकता:

भावनात्मक बुद्धिमत्ता को अब कैरियर और व्यक्तिगत सफलता के लिए एक नए पैमाने के रूप में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। आज के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के समकालीन युग में जीवन की जटिलताएँ बढ़ गई हैं, और इन जटिलताओं में कई भावनात्मक, समस्या-समाधान संबंधी मुद्दे शामिल हैं जो शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। आखिरकार, शिक्षक शैक्षिक प्रणाली और छात्रों के बीच एक कड़ी के रूप में काम करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक उच्च भावनात्मक रूप से बुद्धिमान शिक्षक दूसरों की तुलना में भावना को बेहतर ढंग से पहचान सकता है, उसे संज्ञान में लागू कर सकता है, उसके महत्व को समझ सकता है और भावना को नियंत्रित कर सकता है।

किसी भी अभिनव शैक्षिक कार्यक्रम का प्रशिक्षक के माध्यम से छात्र पर प्रभाव पड़ता है। निष्कर्ष रूप में, किसी विद्यालय का प्रदर्शन उसके शिक्षकों की गुणवत्ता के सीधे आनुपातिक होता है। परिणामस्वरूप, ऊर्ध्वाधर शिक्षा मानक गतिशीलता की ओर पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम सफल शिक्षकों को तैयार करना होना चाहिए।

शोध कथन:

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का शैक्षिक समायोजन के साथ सहसंबंध का एक अध्ययन

शोध साहित्य की समीक्षा:

संबंधित अध्ययन क्षेत्र अध्ययन से संबंधित जानकारी एकत्र करने में सहायता करते हैं। हम तब तक कोई शोध परियोजना नहीं बना सकते जो इस विषय में ज्ञान बढ़ाने में योगदान दे, जब तक कि हम यह नहीं जानते कि प्रासंगिक साहित्य को पढ़कर अपने सरोकारों के क्षेत्र में अग्रिम मोर्चे पर कैसे पहुंचा जाए। स्कूली छात्रों के बीच शैक्षिक समायोजन समस्याओं पर एक शोध में, राजू और रहमतुल्ला (2007) ने पाया कि स्कूली बच्चों का शैक्षिक समायोजन ज्यादातर स्कूल की विशेषताओं से प्रभावित होता है जैसे कि जिस कक्षा में वे नामांकित हैं, स्कूल में प्रयुक्त शिक्षण का माध्यम और स्कूल की प्रबंधन शैली। हाई स्कूल के छात्रों के बीच शैक्षणिक तनाव और समायोजन का अध्ययन हुसैन, कुमार और हुसैन (2008) द्वारा किया गया था, जिन्होंने पाया कि पब्लिक स्कूल के छात्रों में शैक्षणिक तनाव की मात्रा काफी अधिक थी, जबकि सरकारी स्कूल के छात्रों में समायोजन का स्तर काफी बेहतर था।

सामाजिक समायोजन के संबंध में उच्चतर माध्यमिक छात्रों की आत्म-अवधारणा पर वेलमुरुगन और बालकृष्ण (2011) द्वारा शोध किया गया था, जिन्होंने पाया कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में सामाजिक समायोजन की डिग्री उच्च है। हाई स्कूल के छात्रों में किशोरावस्था का समायोजन: मध्य-किशोरावस्था संक्रमण पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट का अध्ययन लुइस और एमर्सन (2012) द्वारा किया गया था, और उनके निष्कर्षों में पाया गया कि लड़के और लड़कियों दोनों में भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्रों में समस्याएं थीं। हालांकि, कोई महत्वपूर्ण लिंग अंतर नहीं थे। बसु (2012) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्र समायोजन की जांच की, और निष्कर्षों से पता चला कि लिंग, पारिवारिक संरचना और स्कूल के शिक्षण माध्यम पर विचार करने पर माध्यमिक विद्यालय के छात्र समायोजन में अत्यधिक महत्वपूर्ण असमानताएँ हैं। येल्लैया (2012) ने हाई स्कूल के छात्रों में शैक्षणिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभावों पर एक अध्ययन किया और पाया कि समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि पुरुष और महिला के बीच महत्वपूर्ण अंतर पैदा करती है।

चौहान (2013) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षिक समायोजन पर एक अध्ययन किया। और निष्कर्षों से पता चला कि समायोजन में एक महत्वपूर्ण अंतर है। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पुरुष और महिला विद्यार्थियों के बीच अंतर, जिसमें महिला विद्यार्थियों की संख्या अधिक है और पुरुष छात्रों की तुलना में महिला छात्राओ का शैक्षिक समायोजन का स्तर उच्च है।

गुप्ता (2013) ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों की समायोजन समस्याओं पर शोध किया, और परिणामों ने समायोजन समस्याओं में पर्याप्त अंतर की सभी परिकल्पनाओं को मान्य किया

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि पर एक शोध में, मानसिंह भाई और पटेल (2013) ने पाया कि लड़के और लड़की किशोरों में स्वास्थ्य, सामाजिक और भावनात्मक समायोजन के मामले में काफी अंतर होता है।

देविका (2013) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन पर एक तुलनात्मक अध्ययन किया और परिणामों से पता चला कि माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का समायोजन औसत है। यह भी पाया गया कि लड़कों और लड़कियों के बीच भावनात्मक समायोजन में काफी अंतर होता है। और लड़कियों में, लेकिन पुरुष और महिला माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षिक और वित्तीय समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। मकवाना (2013) ने अहमदाबाद जिले में माध्यमिक विद्यालय के छात्र समायोजन पर एक शोध किया, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, और परिणाम बताते हैं कि शहरी और ग्रामीण छात्रों, लड़कों और लड़कियों, या शहरी और ग्रामीण लड़कियों के बीच समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

परमानिक, साहा और मोंडल (2014) ने लिंग और निवास के आधार पर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन पर एक अध्ययन किया और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों के समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया।

मकवाना और काजी (2014) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के लिंग के संबंध में समायोजन पर एक शोध किया, और परिणाम बताते हैं कि लड़के और लड़कियों के माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के घर, स्कूल और भावनात्मक समायोजन में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

हालाँकि, 0.05 स्तर पर, हाई स्कूल में लड़कों और लड़कियों के बीच सामाजिक समायोजन में काफी अंतर है। इसका मतलब है कि लड़कों का सामाजिक समायोजन बेहतर है। रानी (2015) ने माध्यमिक विद्यालय समायोजन और तुलनात्मक अध्ययन नामक एक अध्ययन को देखा। पाया गया कि लड़कों और लड़कियों के समायोजन स्तरों में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। शर्मा, संधू और ज़राबी (2015) ने चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों में सीखने की अक्षमता वाले छात्रों के समायोजन पैटर्न पर एक अध्ययन किया, और परिणाम बताते हैं कि समायोजन के सभी तीन क्षेत्र कमज़ोर हैं।

छात्रों को बौद्धिक परिवर्तन के साथ-साथ भावनात्मक और सामाजिक समायोजन में भी काफी कठिनाई होती है। हमने पाया कि 51.4 प्रतिशत, 42.8 प्रतिशत और 31.4 प्रतिशत बच्चों में बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक समायोजन अपर्याप्त था।

नेमा और बंसल (2015) ने किशोरियों के घर, स्वास्थ्य, सामाजिक, और भावनात्मक समायोजन। उनके निष्कर्षों से पता चला कि घर, स्वास्थ्य, सामाजिक और भावनात्मक समायोजन सभी बहुत प्रासंगिक कारक हैं।

पंथ, चौरसिया और गुप्ता (2015) ने लिंग और स्ट्रीम के आधार पर स्नातक छात्रों के बीच समायोजन और भावनात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि लड़कियों में समायोजन और भावनात्मक परिपक्वता अधिक है। लड़कों की तुलना में भावनात्मक परिपक्वता और समायोजन का स्तर अधिक है, और विज्ञान के छात्रों में AICS अधिक है और कला के छात्रों में EMS अधिक है। AICS और EMS स्कोर में लड़कों और लड़कियों के बीच कोई खास अंतर नहीं था। EMS में, कला और वैज्ञानिक छात्रों के बीच काफी असमानता थी, लेकिन AICS में नहीं।

उद्देश्य:

1. उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सह संबंध का अध्ययन करना।
2.उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना।
3.उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सह संबंध का अध्ययन करना

परिकल्पना:

1.उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई सहसंबंध नहीं है।

2.उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई सह संबंध नहीं पाया जाता है।

3.उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई सह संबंध नहीं है।

जनसंख्या:

एक सरल यादृच्छिक चयन दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, इस अध्ययन के लिए लखनऊ जनपद के सरकारी और निजी स्कूलों से 11वीं कक्षा के 200 विद्यार्थियों (100 छात्राएं और 100 छात्र) का चयन किया गया।

प्रयुक्त उपकरण:

1.ए.के. सिंह और श्रुति नारायण का भावनात्मक बुद्धिमत्ता पैमाना (2007)।

2.ए. के. पी. सिन्हा और आर. पी. सिंह ने शैक्षिक समायोजन सूची, (1971)।

व्याख्या और परिणाम:

परिकल्पना 1: भावनात्मक बुद्धिमत्ता और उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के बीच सहसंबंध

उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के अंकों के बीच पियर्सन के उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना निम्नानुसार की गई:

तालिका 1 उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सहसंबंध:

क्र.सं.	चर	एन	आर	सार्थक स्तर

1	भावनात्मक बुध्दि	200	0.78	.05 and .01
2	शैक्षिक समायोजन	200	0.78	

उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की भावनात्मक बुद्धि और शैक्षिक समायोजन के बीच सह संबंध 0.78 है, जैसा कि तालिका 1 में दिखाया गया है। .05 महत्त्व स्तर और .01 महत्त्व स्तर पर सार्थक होने के लिए, R" क्रमशः 195 और 254 होना चाहिए। क्योंकि प्राप्त "R" गणना किये गये मानों से काफी अधिक है। परिणामस्वरूप, यह निर्धारित किया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच पर्याप्त लाभकारी सह संबंध है। परिणामस्वरूप, परिकल्पना-एक, "भावनात्मक बुद्धि और उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के शैक्षिक समायोजन के बीच कोई ठोस संबंध नहीं है," को खारिज किया जाता है।

परिकल्पना 2: उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सहसंबंध

उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के अंकों के बीच पियर्सन उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना की गई, जिसका विवरण निम्नवत है।

तालिका- II उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सहसंबंध:

क्र.सं.	चर	एन	आर	सार्थक स्तर
1	भावनात्मक बुध्दि	100	0.73	.05 and .01
2	शैक्षिक समायोजन	100	0.73	

जैसा कि तालिका 1 में दर्शाया गया है, उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सहसंबंध 0.73 है। .05 सार्थक स्तर और .01 सार्थक स्तर पर सार्थक होने के लिए, "R" क्रमशः 195 और 254 होना चाहिए। क्योंकि प्राप्त "R" गणना किए गए मानों से काफी अधिक है। परिणामस्वरूप, यह निर्धारित किया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन में पर्याप्त सकारात्मक सहसंबंध है। परिणामस्वरूप, परिकल्पना-II अस्वीकृत की जाती है: "उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई ठोस संबंध नहीं है।"

परिकल्पना 3: उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच सहसंबंध

उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छात्राओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समायोजन के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है, इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए उच्च माध्यमिक विद्यालयों में छात्राओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के अंकों के बीच पियर्सन उत्पाद क्षण सहसंबंध की गणना की गई, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

तालिका III वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों की लड़कियों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समायोजन के बीच सहसंबंध:

क्र.सं.	चर	एन	आर	सार्थक स्तर
1	भावनात्मक बुध्दि	100	0.79	.05 and .01
2	शैक्षिक समायोजन	100	0.79	

उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं की भावनात्मक बुद्धि और शैक्षिक समायोजन के बीच संबंध 0.79 है, जैसा कि तालिका एक में दिखाया गया है। .05 महत्व स्तर और .01 महत्व स्तर पर सार्थक होने के लिए, 'R" क्रमशः 195 और 254 होना चाहिए। क्योंकि प्राप्त "R" गणना किए गए मानों से काफी अधिक है। परिणामस्वरूप, यह निर्धारित किया गया है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच पर्याप्त लाभकारी सहसंबंध है।

परिणामस्वरूप, परिकल्पना-III अस्वीकृत की जाती है। "उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं की भावनात्मक बुद्धि और शैक्षिक समायोजन के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।"

अनुसंधान और कार्यप्रणाली:

भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच संबंध का पता लगाने के लिए, तथा यह देखने के लिए कि क्या उच्च/निम्न भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संबंध में ग्रामीण/शहरी और पुरुष/महिला छात्रों के शैक्षिक समायोजन और भावनात्मक बुध्दि के औसत अंकों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है, आंकड़ों की जांच और संग्रह करने के लिए एक वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया।

शोधकर्ता ने लखनऊ क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के कई स्कूलों के ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों से प्रश्न पूछे तथा भावनात्मक बुद्धिमत्ता पैमाना,और शैक्षिक समायोजन पैमाना लागू किया। मानक दृष्टिकोण का प्रयोग पहले से उपलब्ध चीजों को परिभाषित करने और समझने के लिए किया जाता है। इसका संबंध विद्यमान संबंधों, प्रचलित व्यवहारों, प्रचलित विश्वासों, समीक्षा बिंदुओं या दृष्टिकोणों, जारी प्रक्रियाओं और कथित प्रभावों की स्थिति से है। जब कोई शोधकर्ता ऐसी घटनाओं पर डेटा एकत्र करना चाहता है जिन्हें देखा नहीं जा सकता, तो मानक तकनीक काम आती है। वर्तमान शोध एक सर्वेक्षण पर केंद्रित है जो एक पैमाने का उपयोग करके आयोजित किया गया था। इसके अलावा, यह शोध क्रॉस-सेक्शनल सर्वेक्षण पर आधारित है, जिसका उपयोग डेटा एकत्र करने के लिए किया जाता है।

भविष्य शोध हेतु सुझाव :

यह शोध सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थानों के 200 उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के व्यापक नमूने पर लागू किया जा सकता है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामान्य बुद्धिमत्ता के संबंध में तनाव और समायोजन।

स्नातक और परास्नातक छात्रों में व्यक्तित्व लक्षणों पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रभाव।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामान्य बुद्धिमत्ता में संबंध है।

भावनात्मक बुद्धिमता और नौकरी से मिलने वाली खुशी एक दूसरे से संबंधित हैं।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के संदर्भ में, IX कक्षा के विद्यार्थियों और स्नातक विद्यार्थियों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है।

प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि और व्यक्तित्व के बीच संबंध की जांच करना संभव है।

विभिन्न विश्वविद्यालयों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र भी अध्ययन कर सकते हैं।

निष्कर्ष

सामान्य भावनाओं वाले व्यक्ति के साथ बातचीत करना आसान है, लेकिन भावनात्मक रूप से अस्थिर व्यक्ति के साथ व्यवहार करना कठिन है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक ऐसा शब्द है जो भावनात्मक और संज्ञानात्मक दोनों बुद्धिमत्ता को सम्मिलित करता है। हृदय पर भावनाओं का शासन होता है, जबकि मस्तिष्क पर बुद्धि का शासन होता है। ये दोनों विशेषताएँ एक दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई हैं और इनका लोगों के दैनिक जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। बुद्धिमत्ता और उपलब्धि को अब उसी नज़रिए से नहीं देखा जाता जैसा पहले देखा जाता था। आज, न केवल उनकी सोचने की क्षमता, बल्कि उनकी रचनात्मकता, भावना और पारस्परिक कौशल भी ध्यान का केंद्र बन गए हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सामाजिक बुद्धिमत्ता और संयोग, सभी एक व्यक्ति के प्रदर्शन और समायोजन में भूमिका निभाते हैं, और IQ अब सफलता का प्राथमिक मापदंड नहीं रह गया है। तनाव, समायोजन और उपलब्धि जैसे कई व्यवहार संबंधी मुद्दे किशोर समूहों के बीच प्रमुख चिंता का विषय हैं, जिन्हें हम दैनिक आधार पर देखते हैं। भावना, संचार और संघर्ष तीन ऐसे कारक हैं जो सभी मानवीय रिश्तों में भूमिका निभाते हैं और इनका विभिन्न लोगों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। अपनी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाने से हमें लोगों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने की क्षमता में सुधार करने में मदद मिल सकती है, जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता के लिए सबसे शक्तिशाली साधनों में से एक है। अध्ययनों के अनुसार, जो लोग अपनी भावनाओं को उचित रूप से नियंत्रित करने और दूसरों के साथ संवाद करने में सक्षम होते हैं, उनका जीवन अधिक खुशहाल होता है। इसके अलावा, खुशमिजाज लोग ज्ञान को याद रखने और उसे सफलतापूर्वक करने की अधिक संभावना रखते हैं, दुखी लोगों की तुलना में। एक आंकड़ा जो आपकी रूह कंपा देगा: भारत में हर साल 1.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। इसके अलावा, हर साल लगभग चार लाख लोग आत्महत्या का प्रयास करते हैं। उनमें से अधिकांश किसी न किसी प्रकार की मानसिक बीमारी या तनाव से पीड़ित पाए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप वे अपने परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ हैं। आजकल की शिक्षा मुख्यतः संज्ञानात्मक (सिर) तत्व पर केन्द्रित है, तथा भावनात्मक (हृदय) पहलू पर कम ध्यान दिया जाता है। सभी इस बात से सहमत हैं कि शिक्षा को व्यक्ति को जीवन की समस्याओं पर काबू पाने और प्रभावी समायोजन करने में

सहायता करनी चाहिए। शिक्षा का लक्ष्य केवल बुद्धि को पोषित करना ही नहीं, बल्कि हृदय को पोषित करना भी होना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद ने सही कहा था, "यह हृदय ही है जो हमें उस महानतम क्षेत्र में ले जाता है जहां बुद्धि कभी नहीं जा सकती।"

भावनात्मक बुद्धिमत्ता और उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन में गहरा संबंध है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता जितनी अधिक होगी, बच्चों का शैक्षिक समायोजन उतना ही बेहतर होगा। सीनियर सेकेंडरी स्कूल के लड़कों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। सीनियर सेकेंडरी स्कूल के जिन लड़कों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता ज़्यादा होती है, उनका शैक्षिक समायोजन बेहतर होता है। सीनियर सेकेंडरी स्कूल की लड़कियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और शैक्षिक समायोजन के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध है। सीनियर सेकेंडरी स्कूलों की जिन लड़कियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता अधिक मजबूत होती है, उनका शैक्षिक समायोजन बेहतर होता है।

शैक्षिक निहितार्थ:

वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों से भावनात्मक बुद्धिमत्ता और उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक समायोजन के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता चलता है।

शिक्षक, स्कूल प्रशासक, पाठ्यक्रम नियोजक और अभिभावक सभी इस अध्ययन के निष्कर्षों से लाभान्वित हो सकते हैं।

माता-पिता और शिक्षकों का प्राथमिक कार्य उन क्षेत्रों की पहचान करना होना चाहिए जहां विद्यार्थी समायोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं और सभी क्षेत्रों में उचित समायोजन के लिए वातावरण में सुधार करने के लिए काम करना चाहिए।

चूंकि समायोजन के तीनों क्षेत्रों अर्थात् भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक, में लिंग भिन्नताएं होती हैं, इसलिए स्कूल को बच्चों को तीनों क्षेत्रों में बेहतर समायोजन के लिए सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

छात्रों को समायोजन के तीनों क्षेत्रों में उचित सलाह और परामर्श सहायता दी जानी चाहिए। स्कूल का वातावरण दयालु और स्वागतयोग्य होना चाहिए।

अपने बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाने से पहले अभिभावकों को स्कूल के माहौल और सुविधाओं से परिचित होना चाहिए।

प्रशासकों को ऐसे लोगों को नियुक्त करना चाहिए जो अच्छी तरह से योग्य हों।

शिक्षकों को सभी बच्चों के लिए स्वागत योग्य वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए तथा उन्हें अन्वेषण के समान अवसर प्रदान करने चाहिए।

स्कूल में सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों का पर्याप्त प्रावधान होना चाहिए।

सन्दर्भ

[1]. अदिआम्बो डब्ल्यू एम, ओडवार ए जे, मिल्ड्रेड ए. ए., किसुमू जिले केन्या में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के बीच स्कूल समायोजन, लिंग और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध, जर्नल ऑफ इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एजुकेशनल रिसर्च एंड पॉलिसी स्टडीज (जेटेराप्स)। 2011; 2(6):493-497,

[2]. अग्निहोत्री ए.के. माध्यमिक विद्यालय के छात्र शैक्षणिक समायोजन और सामाजिक रूप से वंचित वरिष्ठों की समस्याएं, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक ई-जर्नल, {त्रैमासिक)। 2013; II(I),

[3]. बाला आर. उच्च उपलब्धि प्राप्त करने वालों और निम्न उपलब्धि प्राप्त करने वालों के मूल्य और समायोजन समस्याएँ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, 2014; 4(2):113-118,

[4]. बसु एस. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का समायोजन, एक अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी द्वारा समीक्षा, स्कॉलरली जर्नल फॉर इंटरडिसिप्लिनरी स्टडीज, 2012; I(III)

[5]. चौहान वी. दुर्ग जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन पर एक अध्ययन।

[6]. आईओएसआर जर्नल ऑफ रिसर्च एंड मेथड इन एजुकेशन (आईओएसआर-जेआरएमई)। 2013, 1(1),

[7]. देवी एन. व्यक्तित्व और उपलब्धि के संबंध में छात्रों के समायोजन का एक अध्ययन

[8]. प्रेरणा"। भारतीयम इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च। 2011, 1(1),

[9]. देविका आर. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन। आई-मैनेजर जर्नल ऑन एजुकेशनल साइकोलॉजी। 2014; 71(3),

[10]. इमैनुएल, डी. स्कूल जाने वाले किशोरों में समायोजन: कुन्नाथुर में एक अध्ययन, गांव, अन्नूर ब्लॉक (कोयंबटूर जिला), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल विज्ञान आविष्कार, www.ijhssi.org. 2013; 2(1):07-12.

[11]. गनई एमवाई, मीर एमए. कॉलेज के छात्रों के समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन. जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड एसेज. 2013; 1(1):5-8.

[12]. गिल एस. विशेष विद्यालयों के दृष्टिबाधित छात्रों का भावनात्मक, सामाजिक और शैक्षिक समायोजन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक एंड रिसर्च पब्लिकेशन्स, 2014,4(3),

[13]. लुइस पी, एमर्सन ए. हाई स्कूल के छात्रों में किशोरावस्था का समायोजन: मध्य-किशोरावस्था संक्रमण पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट, जीईएसजे: शिक्षा विज्ञान और मनोविज्ञान, 2012, 3(22),

[14]. मकवाना एम.डी., काजी एस.एम. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का उनके लिंग संबंधित समायोजन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 2014, 2(1),

[15]. परमानिक जे, साहा बी, मोंडल बीसी. लिंग और निवास के संबंध में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों का समायोजन. अमेरिकन जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च. 2014; 2(12):1138-1143,

[16]. परमार आर.एन. आवास के संबंध में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समायोजन के कुछ क्षेत्रों का अध्ययन। इंजीनियरिंग में तकनीकी अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 2014. 1(6),

[17]. राजकोनवर एस, दत्ता जे, सोनी जे.सी. असम में दृष्टिबाधित स्कूली बच्चों का समायोजन और शैक्षणिक उपलब्धि इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (आईजेएसआर)। 2015; 4(4),